

ब्लेड वाले तार से मेढ़बंदी करने पर बृद्ध का कटा पैर

अमिट रेखा महरोना लार।

लार थाना क्षेत्र के एक गांव में कुछ प्रबुद्ध लोगोंन के मना करने के बाद भी एक व्यक्ति ने धारादार ब्लेड वाले तारों से ही अपने खेतों मेंढ़ बंदी कर दी जिससे एक बृद्ध व्यक्ति का पैर फँसकर इतना बुरी तरह कट गया कि अब उनके पैर को काटने तक की नीबत आ गई। घटना चार दिन पहले शनिवार की है जब बृद्ध विश्वधर यादव उम्र 65 साल ग्राम सरेया कौसल्या-थाना-लार भसकरी—कौसल्या भाग पर अपनी भैंस को चरा रहे थे। अचानक उनके भैंस के सींग में हरेराम यादव उर्फ गेल्हू यादव पुत्र शारदा यादव, कौसल्या के खेत में ब्लेड वाला तार फँस गया और भैंस तड़फ़ा कर भागने लगी। बृद्ध व्यक्ति तार को सींग से निकालने के लिए दौड़े तो उनका पैर तार में फँस गया और घसीटे हुए कटना चला गया। आस पास के लोग दौड़कर जब पहुँचे तब तक आधा पैर टट चुका था। लोग आनन फान में लेकर लार हास्पिटल पहुँचे जहाँ स्थित गंभीर देखकर जिला अस्पताल और वहाँ से मेडिकल कॉलेज गोरखपुर परेर कर दिया गया। अपनी वहाँ उनका ईलाज चल रहा है और पैर बचने की एक मात्र गुंजाई लास्टिक सर्जरी है। जिसके डाक्टर वहाँ उपलब्ध नहीं हो गए। उक्त विषय में जिलाधिकारी और शासन प्राणीन से अनुरोध है कि इस प्रकार के प्राणधातक चीजों पर पाबंदी लगाए और दोषियों को उचित सजा दें। जिससे इस प्रकार के कृत्य की क्षेत्र और जिले में पुनरावृत्ति नहीं हो सकती है। इस गरीब और निःशाय व्यक्ति को दवा का खर्च भी दोषी व्यक्ति उठायें।

वाहन जांच के दौरान स्विफ्ट कार से 35

बोतल अंग्रेजी शराब बरामद, दो गिरफ्तार

अमिट रेखा — संतोष पाठक

कुचायकोट—गोपालगंज

गोपालगंज जिले के कुचायकोट थाना क्षेत्र के बलथरी चेकपोस्ट पर वाहन जांच के क्रम में उत्पाद विभाग के टीम ने एक कार से



अमिटरेखा देवरिया व्यूरो आज कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, देवरिया पर बाल स्वास्थ्य पोषण माह जुलाई 2021 प्रथम चरण का उद्घाटन अलका सिंह, अध्यक्ष, नगर पालिका, देवरिया द्वारा 02 वर्ष के बच्चे को विटामिन सिरप पिलाकर किया गया। इस अवसर पर डा० आलोक पाण्डेय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा० सुरेन्द्र सिंह जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, डा० बी०पी०सिंह अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा० सुरेन्द्र चौधरी अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा० राजेन्द्र प्रसाद अपर

पिहानी पालिका में हीरो बनी आर्यन गुप्त और आउटसोसिंग फर्म के खोखले दिखे कर्म'

अमिटरेखा पिहानी, हरदोई।

कर्से में नगर पालिका द्वारा कराए गए समुचित विकास कार्यों की जांच पड़ताल करने के लिए रविवार दोपहर समय तक रक्षीन 11.30 बजे अधिकारियों का एक उड़न दस्ता आ पहुँचा उड़नदस्ते में उप-जिलाधिकारी शाहाबाद सौरभ दुबे के साथ विद्युत विभाग व जल निगम हरदोई तथा पीडल्यू डी के अधिकारीयों ने मेलकर नगर विकास कार्यों के महेनजर नाला निर्माण व मार्ग निर्माण कार्यों तथा संचारी रोग नियन्त्रण पर सफाई व्यवस्था की प्रभावी हकीकत परखी विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक उड़नदस्ती की टीम में आए अधिकारियों ने 4 बजे तक नगर में भ्रमण किया और पौंच अलग—अलग मोहल्लों के मार्गों पर जाकर भौतिक व खलीय निरीक्षण किया। इस दौरान जांच टीम के पैनल अधिकारियों ने नव-निर्मित नाले में कूड़े कचरे को भरा देखा तो उनके तेवर सख्त हो गए। उन्होंने अधिकारीयों के स्थानीय लोगों बगल के चौकी पर सूचित किया तो थाना प्रभावी नंदा प्रसाद और चौकी प्रभावी संदीप सिंह ने पहुँचकर प्राथमिक उपचार के लिए विशनपुरा ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर दाखिल कराया। लेकिन वहाँ के डॉक्टरों ने उहाँसे भूत्ता करने के बाद विवरण दिया कि वह अपर नहीं है। उन्होंने अधिकारीयों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत कार्यवाई की जा रही है।

बाइक और सांड के टक्कर से 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत

अमिट रेखा — निखिल कुमार रघुनाथ

कसया — कुशीनगर

जनपद के पड़राना थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा मटिहानिया खुर्द के निवासी सत्यनारायण सिंह पुत्र स्वर्गीय राम नारायण सिंह जो पड़राना से विशनपुरा ब्लॉक मनसा छापर की ओर किसी आवश्यक कार्य से आए हुए थे और अपना कार्य पूर्ण कर शाम के 7 बजे पड़राना की तरफ जा रहे थे कि मनसा छापर और कुरनूल के बीज रोड पर सामने से आ रहे सांड में गाड़ी की टक्कर कर हो गई। टक्कर करने के लिए उनकी जानकारी नहीं मिली है। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत कार्यवाई की जा रही है।

बाइक और सांड के टक्कर से 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत

अमिट रेखा — निखिल कुमार रघुनाथ

कसया — कुशीनगर

जनपद के पड़राना थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा मटिहानिया खुर्द के निवासी सत्यनारायण सिंह पुत्र स्वर्गीय राम नारायण सिंह जो पड़राना से विशनपुरा ब्लॉक मनसा छापर की ओर किसी आवश्यक कार्य से आए हुए थे और अपना कार्य पूर्ण कर शाम के 7 बजे पड़राना की तरफ जा रहे थे कि मनसा छापर और कुरनूल के बीज रोड पर सामने से आ रहे सांड में गाड़ी की टक्कर कर हो गई। टक्कर करने के लिए उनकी जानकारी नहीं मिली है। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत कार्यवाई की जा रही है।

गोरखपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध जनपद के सभी महा विद्यालयों में होने वाली परीक्षा

हेतु नामित किये गये स्टैटिक मजिस्ट्रेट

'सभी ५५ स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को नकल विहीन एवं सुचितापूर्ण परीक्षा करने का विए गए निर्देश'

अमिट रेखा — निखिल कुमार रघुनाथ

कसया — कुशीनगर

अपर जिलाधिकारी विध्यवासिनी राय ने कुलपति दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर द्वारा जारी पत्र के क्रम में स्नातक एवं परानातक की आगामी होने वाली वाली परीक्षा के सफल संचालन हेतु प्रत्येक परीक्षा केंद्रों एक स्टैटिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। अपर जिलाधिकारी ने दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर से सम्बद्ध समस्त महा विद्यालयों (जनपद कुशीनगर) की स्नातक (द्वितीय एवं तृतीय वर्ष) एवं परानातक (अंतिम वर्ष) की वार्षिक परीक्षा 2021 में होने वाली परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में होने वाली परीक्षा को नकल विहीन एवं सुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु प्रत्येक परीक्षा केंद्रों पर कुल 55 स्टैटिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया है कि अपने अपने परीक्षा केंद्रों पर नकल विहीन एवं सुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने सुनिश्चित करें।

'बाल स्वास्थ्य पोषण माह जुलाई 2021 प्रथम चरण का किया गया उद्घाटन'



विभाग के सहयोग से संचालित किया जाता है, विटामिन 'ए' वसा में घुलनशील विटामिन है जो शरीर में प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, जिससे बच्चे स्वस्थ एवं पोषित रहते हैं।

इसी क्रम में जिला प्रतिक्रम अधिकारी डा० सुरेन्द्र सिंह द्वारा बताया गया कि बाल स्वास्थ्य पोषण माह जुलाई चरण का आयोजन जनपद एवं जनपद के सभी ब्लॉकों पर दिनांक 28 जुलाई 2021 से नियमित टीकाकरण सत्रों पर किया जायेगा। जिसमें 09 माह से 05 वर्ष तक लक्षित 399300 बच्चों को विटामिन 'ए' का घोल पिलाया जायेगा। इसी के साथ सत्र स्थल पर आये सभी लायर्स बच्चों को आयरन सिरप की एक शीरी इस निर्देश के साथ दी जायेगी।

अमिटरेखा देवरिया व्यूरो आज कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, ए०आर०ओ० जिला कोआर्डिनेटर यूनिसेफ, मुकेश मिश्र, उपेन्द्र तिवारी, अर्चना, वंदना रश्मि ए०एन०ए०म० आशा एवं आगनवाड़ी सहित समस्त कर्मचारीय उपरान्त विभाग के टीकाकरण हेतु अपना एवं नैतिक जिम्मेदारियों का निर्वाह कर एक स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करें।

इसमें स्वास्थ्य विभाग के साथ आई०पी०डी०ए०स० विभाग की भी पूर्ण सहायता है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा बताया गया कि बाल स्वास्थ्य पोषण माह विटामिन एष्प सम्पूर्ण कार्ड्रेम टीकाकरण का प्रयोग कर एवं सर्दीना से बचाया जाना चाहिए।

प्रयोग को बढ़ावा देना है। जनपद में इनकी समस्त तैयारियों की जा चुकी है। कोविड-19 के बचाव के दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन करते हुये उक्त क्रम के नियमित टीकाकरण का वहाँ पर जारी रखा जाएगा। जनपद में इनकी समस्त तैयारियों की जा चुकी है।

अमिटरेखा देवरिया व्यूरो ने लौहुहान-अमिटरेखा व्यूरो

प्रतापगढ़। थाना का सासुर देवसरा के उमरा गांव में बाजार से लौट रहे युवक के बाद लिया जाना चाहिए।

अमिटरेखा देवरिया व्यूरो ने ल

सम्पादकीय.....

प्रकृत क प्रात बदल दृष्टिकोण
वर्तमान में दनिया जलवाय परिवर्तन की गंभीर चनौती

परामर्श नुस्खे का जलवाया कुप्रकृति का विकास का अनुरूप है। आज यह जानना आवश्यक हो गया है कि विकास के नाम पर हम जो भी काम कर रहे हैं, क्या वह प्रकृति के अनुरूप है। प्रकृति संरक्षण के सवाल पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। अगर हमारा विकास का काम प्रकृति को प्रभावित और उसे नष्ट करता है, तो उसे विकास नहीं कहा जा सकता। आज विश्वभर में प्रकृति की प्रतिक्रियाएं देखने ने मिल रही हैं। पिछले एक-डेढ़ सदी में इसान ने बौद्धिकीकरण और विकास के नाम पर जो कुछ किया है, उसका असर अभी हम भुगत रहे हैं। चीन में तबाही मचानेवाली बाढ़ आ रही है। यूरोप में भी बाढ़ की विमीषिका है, जो बीते 10–100 वर्षों में पहले कभी नहीं देखी गयी थी। अमेरिका के नई हिस्सों में सूखे पड़ रहे हैं और वनों में आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं। भारत में भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं। विहाराष्ट्र समेत कई राज्यों में बाढ़ जैसी घटनाओं को देखा जा रहा है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में भूस्खलन की खबरें आती रही हैं। फरवरी में चमोली में बड़ा हादसा हुआ था। गल-फिलहाल में अनेक प्राकृतिक घटनाएं हुई हैं। यह हमारे लिए चेतावनी है। हम यदि सबक नहीं लेंगे और विकास की वर्तमान प्रक्रिया में जरुरी बदलाव नहीं करेंगे, तो प्रकृति की प्रतिक्रियाएं लगातार बढ़ती ही जायेंगी। अगर आज हम नहीं लागे, तो हमारी भविष्य की पीढ़ी का नाश निश्चित है। जिस वरह जलवायु में बदलाव हो रहा है, उससे स्पष्ट है कि वर्तमान पीढ़ी को भी आनेवाले समय में इन आपदाओं का विभायिका भुगतना पड़ेगा। हमारे पास दूसरी पृथ्वी नहीं है। एक भी पृथ्वी है, जहां हमें रहना है और उसे रहने योग्य बना कर खाना है। अभी हमें यह नहीं दिख रहा है कि सत्ता में बैठे लोग लाग रहे हैं। अब भी हम लोग इसी भ्रम में जी रहे हैं कि जीड़ीपी और थोथ ही विकास है। जितने बड़े प्रोजेक्ट होंगे, उतना ही अधिक विकास करेंगे। सरकार के नुमाइंदे सोचते हैं कि अभी हमें विकास का काम पूरा कर लेना है, प्रकृति के साथ जो कुछ हो रहा है, उससे हम बाद में निबट लेंगे। यानी विकास की मौजूदा सवधारणा प्रकृति की संरक्षणवादी सोच पर हावी हो रही है। हमारी यह सोच गलत है। वास्तव में प्रकृति, पर्यावरण के बचाव और विकास के मौजूदा स्वरूप को लेकर बहुत भ्रामक स्थिति है। प्रकृति संरक्षण के प्रति समाज जितना जल्दी जागेगा और उसे लेकर हम जितने प्रभावी कदम उठायेंगे, उतना जल्दी ही हम बदलाव के दुष्प्रभावों से बच पायेंगे। यह संभव है, लेकिन उसे हमें तात्कालिक तौर पर करने की जरूरत है। वन्य जीवों और वनस्पतियों के संरक्षण की दिशा में भी हमें सोचना और काम करना होगा। कोई भी प्रजाति, चाहे वह प्राणी जगत से या वनस्पति जगत से, उसे बचाने का मतलब है कि उसके प्राकृतिक वास यानी हैबिटेट को बचाना। वह जिस प्राकृतिक वावास में रहता है, जहां वह पनप सकता है, जहां उसके विकास के लिए अनुकूल दशाएं मौजूद हों, उसका अगर हम उनरुस्थापन करेंगे, तो संभव है कि ऐसी प्रजातियां फिर से विकसित होने लगें। वास्तव में, कई सारी जगहों पर ऐसा करने सफलता भी मिली है। अमेरिका और अन्य कई देशों में यह योग किया गया है कि अगर किसी नदी के बहाव को अवरुद्ध नर दिया जाता है और डेल्टा तक पानी नहीं पहुंच पाता है, उससे डेल्टा में प्राकृतिक विविधता नष्ट हो जाती है। नदियों और बांध बना देने की वजह से नदी का पानी समुद्र तक नहीं हुंच पाता है।

भा जावन म सहा प्रगति कर सकत ह। किसी पुरान सबधि
प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता
अवरोधित कार्य हल होंगे।

वृषभ :- हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार-विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न रहें। उसे बाबतपात्रिक पाणीमें कम सुएं।

मिथुन :- परिवार की छोटी-छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्देलित मन संबंधियों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच

अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।
 कर्क :- भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा-बड़ा समझने के बजाए अपने कर्तृतव्यों का सही ढंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कायरे में आलस्य का त्याग करें।
 सिंह :- पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्थ के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्थ के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु

कन्या :- निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर उत्तिवित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या :- निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर उत्तिवित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या :- निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर उत्तिवित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

उत्साह का अभाव रहगा। घर में खुशांशाला हांगा।
 तुला :— समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।
 वृश्चिक :— कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण

बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। आवानात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।
 धनु :—महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुष्ट पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर ही रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है।
 मकर :—बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले-जुले संयोग का

नरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संस्तान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

क्रांति : आपातक गति में व्यापकता बढ़ेगी। इस आर्थिक गति

कुमुः—शासन—सत्ता में व्यरुता बढ़गा। मन आधिक सुषुप्ति होता है तु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान—प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख—दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

सदन में पक्ष विपक्ष की भूमिका, जनधन से रिवल्याड़

अख्तरहानी

हम फख नहीं कर सकते। भारतीय लोकतंत्र 75 का हो गया है। ऐसे में भारत को अपनी संसदीय परिपक्वता से न सिर्फ दुनिया के आगे नजीर पेश करनी चाहिए, बल्कि पड़ोस के कमजोर गणतंत्रों का मार्गदर्शन भी करना चाहिए। इसके लिए पक्ष और विपक्ष को संसद सुचारू संचालन सूरत बनानी होगी। विपक्ष को सरकार के खिलाफ एक मजबूत मुद्दा को संसद के मानसून सत्र की शुरुआत के ठीक पहले पेगासस मिल गया है, और वह संसद में सरकार को घेरने की कोशिश जुट गया। लेकिन जिस तरह से पिछले कई दिनों से दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित और हिंगामेभरी हो रही है, उससे बेहतर संसदीय बहस को लेकर बहुत उम्मीद नहीं और संसद के निचले सदन में विपक्ष की नारेबाजी से आजिज आए।

राजसत्ता न हो पाये, विधानसभा हो या फिर विधान परिषद सभी जगह देश और राज्य के विकास और जनता की मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर सार्थक बहस होनी चाहिए। सत्ता पक्ष विपक्ष की सुने और विपक्ष सत्ता पक्ष के जबाब को सुने और गलत होने पर उसका विरोध करें। किसी भी सदन के चलाने पर लाखों रुपये खर्च होते हैं जो जनता द्वारा दिए गए टैक्स का अंश है। लेकिन पिछले कुछ अरसे से सदन आखड़े में तब्दील हो गए हैं। कई बार अनावश्यक अडियल रवैये के चलते सदन का समय बरबाद करने की जैसे परम्परा शुरू हो गई है। यह परम्परा सीधे सीधे जनता के धन के साथ खिलवाड़ है। सदन में इसके लिए सत्ता पक्ष जिम्मेदार है फिर विपक्ष जिम्मेदार है। यह बॉत दोनों पक्ष अच्छी तरह से जानते हैं ऐसे स्थिति में अगर जनप्रतिनिधियों के रवैये पर आने वाले समय में जनता प्रश्न खड़े करते हुए सङ्कों पर उत्तरने पर मजबूर हो जाए तो कोई अतिश्योक्ति न होगी। संसद में करीब दो दर्जन विधेयक पारित कराने की योजना है। जिनमें करीब 17 नए विधेयक हैं, जबकि तीन अध्यादेश भी हैं, जिन्हें विधेयक के रूप में पारित कराया जाना है। मंगलवार को सदन की कार्रवाई का नौ बार स्थगित होना चिन्तनीय विषय है। पूर्व में ऐसा कई बार हुआ है, जब किसी मसले पर सत्ता और विपक्ष के बीच गतिरोध पैदा हुआ, तब संसदीय कार्य मंत्री और सदनों के नेताओं ने आपस में बातचीत करके रास्ता निकाला और संसद का सुचारू संचालन हुआ। पर तब एक-दो दिन के गतिरोध के बाद ही शीर्ष स्तर से गंभीर प्रयास शुरू हो जाते थे। दरअसल, पिछले एकाधिक दशकों से जनतांत्रिक जिम्मेदारियों पर राजनीतिक हितों को मिल रही वरीयता ने सत्ता पक्ष और विपक्ष में दूरियां पैदा की हैं। ऐसी स्थिति में बहस की जरूरत के बावजूद

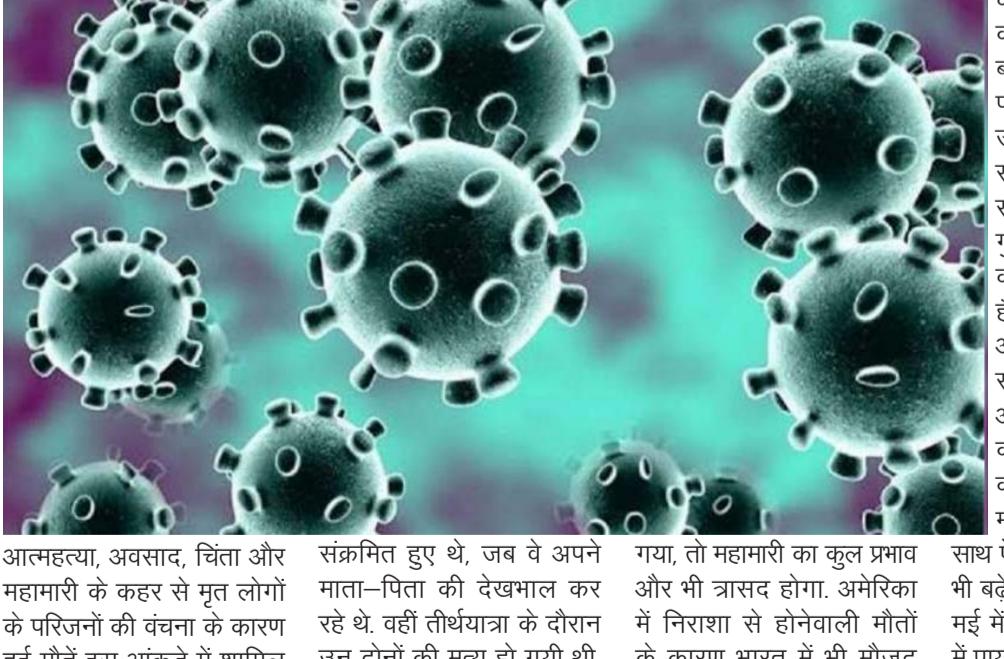
केंद्रीय राज्यपाल ने बहुत कमजोर गणतंत्रों का मार्गदर्शन भी करना चाहिए। इसके लिए पक्ष और विपक्ष को संसद सुचारू संचालन सूरत बनानी होगी। विपक्ष को सरकार के खिलाफ एक मजबूत मुद्दा को संसद के मानसून सत्र की शुरुआत के ठीक पहले पेगासस मिल गया है, और वह संसद में सरकार को धेरने की कोशिश जुट गया। लेकिन जिस तरह से पिछले कई दिनों से दोनों सदनों की कार्यवाही रथगित और हंगामेभरी हो रही है, उससे बेहतर संसदीय बहस को लेकर बहुत उम्मीद नहीं और संसद के निचले सदन में विपक्ष की नारेबाजी से आजिज आए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जैसे सख्त शब्दों में अपनी नाखुशी जाहिर की, कुछ वैसे ही राज्यसभा में सभापति बैकैया नायदू ने अपनी नाराजगी प्रकट कर चुके। राज्यसभा के सभापति ने संसद सदस्यों को

जारी रखा। करना जारी रखा। का समय बर्बाद न करने की हिदायत दी। यह संसद का बुनियादी कार्य-व्यापार है। मगर नारेबाजी ऐसी सभी अपेक्षाओं पर हावी रही और सदन सुचारू रूप से काम न कर सके। इस संसद सत्र का महत्व इसलिए अधिक है कि देश महामारी से अब भी जूझ रहा है। दूसरी लहर की भयावहता और तीसरी की



बास्तव में यह कांग्रेस को विपक्ष का नेतृत्व ले रहे हुए उसे दिशा देनी चाहिए। बब वह खुद दिशाहीन दिख रही है। दिशाहीनता नहीं तो और क्या है कि उसने कृषि गानून बनाने का वादा अपने घोषणापत्र में किया था, वैसे ही कानून बन जाने पर उनका विरोध कर रही है? बेहतर हो कि वह 2019 में जारी किए गए अपने घोषणापत्र को फिर से पढ़े या किर यह स्पष्ट करे कि उसके यूटर्न लेने की वजह क्या है? यदि उसका मकसद किसानों को गुमराह करना नहीं है तो फिर उसे अपना यह घोषणापत्र

पढ़ेगा। इसके आसार इसलिए नहीं, क्योंकि विपक्षी दलों ने पहले से ही यह तय कर रखा है कि कुछ भी हो जाए, संसद को नहीं चलने देना है। विपक्ष न केवल एकजुट्टा के अभाव से ग्रस्त दिख रहा है, बल्कि इससे भी कि किन मसलों को प्राथमिकता देनी है और किस तरह, भले ही वह कुछ मुद्दों को तूल देता हुआ दिख रहा हो, लेकिन ऐसा नहीं लगता कि उसे मुद्दों पर बहस में दिलचस्पी है। यदि ऐसा कुछ होता तो उसकी ओर से ऐसा माहौल उत्पन्न नहीं किया जाता कि संसद चलने ही न पाए। बहरहाल समझना कठिन है कि विपक्ष संसद की कार्यवाही बाधित कर क्या हासिल करना चाहता है? सत्तापक्ष और विपक्ष को यह समझ लेना चाहिए कि जनता सबकुछ देख रही है, अगर वह जाग गई तो परिणाम घातक होगे।



के पारजना का वचना के कारण हुई मौतें इस आंकड़े में शामिल नहीं हैं, जो सीधे तौर पर कोरोना की वजह से नहीं हुईं, पर परोक्ष रूप से महामारी का परिणाम हैं। संक्रमण में कभी, टीकाकरण में तेजी और संभावित तीसरी लहर की तैयारियों के साथ सरकार को इन परिवारों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। महामारी के ऐसे पीड़ितों को राहत की दरकार है, जो इसके

रह थे। वहाँ तथ्यात्रा के दाराने उन दोनों की मृत्यु हो गयी थी। ऐसे में एकल परिवार व्यवस्था में रेशमा अकेली रह गयी थीं और मुंबई में उनका कोई सहारा भी न था। यह परिवार हाल में बैंगलुरु से आया था। यह एक छुपा हुआ संकट है और गंभीर होता जा रहा है। अमेरिकी संस्थानों ने अपने अध्ययनों में बताया है कि कोविड-19 से होनेवाली मौतों के अलावा

लागू
कोई
ऐसे परि
होते ज
की मौ

प क ब प उ स स ग व है अ स अ क व म साथ रे भी बढ़ें मई में में पाय प्रतिश अवसा केवल को श अन्य गया अन्य करने दौरान हैं। लॉ

नवालों पाबादेया और आय न होने के कारण ग्राम संस्कार न हो पाने की कई लोगों को भारी गत लगा है। ऐसे भी परिवार हैं, जो कर्जों भारी किस्तों और अन्य खर्चों को नहीं चुका रहे हैं, जिन्हें भोक्तावादी युग में लाता एवं उपलब्धि का क माना जाता है। ग्राम के शेषी परिवार त्रासदी एक उदाहरण। इस परिवार ने महत्वा की ओर अपने श में लिखा कि घर कार के कर्ज माफ दिये जाएं। महामारी वार्थिक, सामाजिक और वैज्ञानिक असर के त्रासदियों की सूचनाएं दूसरी लहर के दौरान एक औन्तलाइन सर्वथाया था कि लगभग 61 भारतीय क्रुद्ध, दुखी, सरत या चिंतित हैं। इसमें सरत प्रतिशत ने ही अपने व स्थिर बताया था। पोर्टों में इंगित किया कि हेल्पलाइन और आयता केंद्रों को फोन से संख्या महामारी के दृष्ट अधिक बढ़ गयी डाउन के दौरान और

थे और मृतकों को ओसत आयु 38 साल के आसपास थी। लॉकडाउन के दौरान आत्महत्या करनेवालों की उम्र पांची हटाने के बाद आत्महत्या करनेवाले लोगों से बहुत कम थी। मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन एमपॉवर को देशभर से पिछले साल मार्च और इस साल अप्रैल के बीच 70 हजार लोगों ने फोन किया था, जिनमें अधिकतर 26 से 40 साल की उम्र के थे। इन लोगों में 70 प्रतिशत से अधिक संख्या पुरुषों की थी। समय पर दवा, उपचार और मनोचिकित्सा मुहैया कराकर बहुत से लोगों को आत्महत्या से रोका जा सका है। सवाल है कि उनके साथ क्या होता है, जो मदद नहीं मांगते। इसके बावजूद बाजारों में घूमने से लगता है कि जीवन सामान्य ढेर पर लौट रहा है। अनेक दुकानदारों ने बताया है कि मांग बढ़ रही है और लोग खूब खरीदारी कर रहे हैं। इस माहौल को सामान्य स्थिति बहाल होने के संकेतक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन यहां उस विस्फोटक स्थिति को अनदेखा कर दिया जाता है, जो अवरोधों से पैदा हुई है और सतह के ठीक नीचे दबी हुई है। निश्चित ही यह मान लेना एक भूल होगी कि हमारा देश और हम लोग स्वास्थ्य के मोर्चे पर और परदे के पीछे के महामारी के असर से अछूते, बिना नुकसान के, फिर से पहले कर रहे हैं और महामारी के जाने

हिना खान

की फिल्म लाइन्स का ट्रेलर
जारी, 29 जुलाई को वूट
सेलेक्ट पर होगी रिलीज



हिना खान टीवी जगत की लोकप्रिय अभिनेत्री हैं। उन्होंने छोटे पर्व पर अपने अभिनय का जलवा बिखेरा है। वह हाल में अपनी फिल्म लाइन्स को लेकर चर्चा में थीं। इस फिल्म का ट्रेलर को जारी कर दिया गया है। जारी किए गए ट्रेलर में हीना दिलचस्प अंदाज में दिखी हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भी फिल्म का ट्रेलर शेयर किया है। इस फिल्म का निर्देशन हुसैन खान ने किया है, जिसमें हिना मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म लाइन्स भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर स्थित कश्मीर के मसले की बीच बुनी गई एक भावनात्मक कहानी है। हिना ने फिल्म का ट्रेलर शेयर करते हुए अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, भावुक करने वाली और एक बहुत ही शक्तिशाली कहानी। लाइन्स देखने के लिए आप सभी का इंतजार नहीं कर

रेड हॉट लुक में आमना शरीफ
ने इंटरनेट पर ढाया कहर



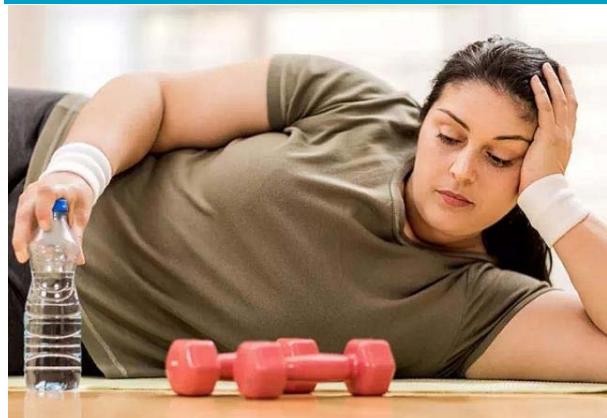
बॉलीवुड फिल्म शर्मिनपथ जबरदस्त फिल्म थी। इसमें अभिनेत्री कनिका तिवारी ने 2012 में ऋतिक रोशन की बहन का रोल प्ले किया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही थी। मध्यप्रदेश के भोपाल में पैदा हुई और पली पढ़ी कनिका तिवारी की खूबसूरत फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। कनिका तिवारी का ग्लैमरस लुक इन दिनों सुर्खियों में बना हुआ है। कनिका तिवारी फेमस टीवी एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी दहिया की कजिन सिस्टर हैं। कनिका तिवारी साउथ फिल्म इंडस्ट्री की फेमस स्टार में से एक हैं। करण जौहर के धर्म प्रोडक्शन तले बनी फिल्म शर्मिनपथ में जिसने कनिका तिवारी को देखा होगा आज शर्तिया पहचान नहीं पाएगा। कनिका तिवारी ने फिल्म शर्मिनपथ में ऋतिक तीव्र बहन शिक्षा चौहान का रोल प्ले किया था। अपनिपथ में ऋतिक रोशन की बहन बनकर कनिका ने अपनी क्यूटनेस से सबका दिल जीत लिया था। एक्ट्रेस कनिका तिवारी ने अपनिपथ में ही अपनी दमदार एकिंटंग का लोहा मनवा लिया था। फिल्म अपनिपथ में कनिका और ऋतिक की केमिस्ट्री स्क्रीन पर इतनी अच्छी थी कि वह सुपरस्टार की असली बहन जैसी लोगों के दिलों में बस गई थीं। बॉलीवुड में एक ही फिल्म करने के बाद कनिका ने तेलुगु, तमिल और कन्नड़ भाषाओं की फिल्मों में काम किया। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में उनका काफी नाम हैं। बता दें कि कनिका एक बेहतरीन मॉडल भी हैं। रिपोर्ट्स की माने तो फिल्म शर्मिनपथ के लिए करीब 6 हजार लड़कियों का ऑडिशन हुआ था।

टीवी एक्ट्रेस आमना शरीफ सोशल मीडिया पर आज किसी सेंसेशन से कम नहीं हैं और यो अक्सर इंस्टाग्राम पर अपने हॉट अंदाज से धमाल मचाती रहती हैं। एक बार फिर आमना ने अपने रेड हॉट लुक से फैन्स का दिल जीत लिया है, तो आइए आपको दिखाते हैं उनका ये दिलकश अंदाज।

क्या आपने भी देखा कृष्णा श्रॉफ का Superhot अवतार



बॉलीवुड अभिनेता टाइगर शरीफ की बहन कृष्णा श्रॉफ सोशल मीडिया पर आए दिन अपने बोल्ड अंदाज से फैन्स की नींद चुराती दिखाई देती हैं। एक बार फिर कृष्णा श्रॉफ ने अपने हॉट अवतार से इंटरनेट पर धमाल मचा दिया है, तो आइए आपको दिखाते हैं उनकी ये फोटोज।



वजन घटाना चाहते हैं तो पहले इन 7 हार्मोन्स पर पाएं काबू

वजन घटाने के लिए आप कई तरह की क्रैश डाइट पर गए हैं? आपने सभी प्रकार के व्यायाम किए हैं? लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। वजन घटाने के लिए आपने जो कोशिश नहीं की वह आपके हार्मोन को नियंत्रित करना। जी हाँ, हार्मोन वजन को नियंत्रित करने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं क्योंकि भूखों, स्ट्रेस के साथ शरीर में जमा वसा की मात्रा के लिए जिम्मेदार होते हैं। यहाँ हम आपको बताएंगे कि वजन घटाने के लिए आपको किन हार्मोन्स को कैसे कंट्रोल करना है।

इंसुलिन

अग्नाशयी ग्रंथियों द्वारा निर्मित होने वाला यह हार्मोन चीनी और वसा को ऊर्जा में परिवर्तित करता है। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो चीनी का सेवन कम करें।

लेप्टिन

शरीर में वसा कोशिकाएं हार्मोन लेप्टिन का साव करती हैं, जिसका कार्य आपके मस्तिष्क के हाइपोथलेमस को संकेत भेजकर भूख को नियंत्रित करना है। सूजन, हाइपोथलेमस या इंसुलिन का बढ़ा हुआ स्तर इसके कार्य में बाधा बनता है, जिससे वजन बढ़ सकता है। इसे ठीक करने के लिए वसायुक्त, शर्करायुक्त भोजन की मात्रा पर रोक लगाए और प्रतिदिन व्यायाम करें।

घेलिन

यह हार्मोन मस्तिष्क के हाइपोथलेमस से संपर्क करता है और बताता है कि आपको कब खाना चाहिए। मगर, जब इस हंगर हार्मोन का स्तर कम हो जाता है तो आप ओवरईटिंग करने लगते हैं। ऐसे में घेलिन के स्तर को सामान्य करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप प्रोटीन का सेवन सीमित करें।

कोर्टिसोल

कोर्टिसोल यानि तनाव हार्मोन अधिवृक्त ग्रंथियों द्वारा चालित होता है। वजन कंट्रोल में रखना चाहते हैं तो कोर्टिसोल के अतिरिक्त उत्पादन को रोकना होगा। इसके लिए जितना संभव हो आराम करें और हैल्डी भोजन लें।

एस्ट्रोजेन का कम या ज्यादा स्तर भी बढ़ते वजन की वजह हो सकता है। ऐसे में इसे समान्य रखने के लिए फाइबर, फूलगोभी, गोभी, ब्रोकोली, आदि जैसी क्रूस वाली सब्जियों का अधिक सेवन करें।

न्यूरोपेटाइड वाई

भूख के लिए दो से अधिक हार्मोन जिम्मेदार हैं, जिसमें से न्यूरोपेटाइड वाई या एनपीवाई भी एक है। मस्तिष्क द्वारा निर्मित इस हार्मोन के स्तर में वृद्धि के कारण वजन बढ़ सकता है। इसे कंट्रोल करने के लिए भोजन में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाएं।

ग्लूकाग्न या पेटाइड -1

आपका पेट इस हार्मोन के उत्पादन के लिए जिम्मेदार है, जो शरीर में रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रण रखता है। अगर शरीर पर्याप्त मात्रा में लस्ट-1 का उत्पादन ना कर पाए तो आप ओवरईटिंग करने लगते हैं, जो वजन बढ़ने की वजन है। इसे कंट्रोल करने के लिए प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ जैसे कि मट्टा, मछली और दही आदि खाएं।

कहीं आप भी तो नहीं पीते भोजन के तुरंत बाद चाय?



व्यायाम के लिए आपको भी भोजन के तुरंत बाद चाय पीने की आदत है? कुछ लोगों को आदत होती है कि वो चाय के तुरंत बाद चीठा, डेजर्ट या चाय पीना पसंद करते हैं लेकिन क्या सेहत के नजरिए से यह सही है? आज हम आपको यही बताएंगे कि भोजन के बाद चाय पीनी चाहिए या नहीं...

भोजन के बाद चाय पीना सही या गलत?

खाना खाने के बाद चाय पीना सेहत के लिए अच्छा नहीं होता है। दरअसल, चाय में कैफीन होता है, जो शरीर में कोर्टिसोल या स्ट्रेस हार्मोन रिलीज करता है। इसके कारण पाचन तंत्र पर असर पड़ता है, जिससे एसिडिटी, गैस, कब्ज और कई हैल्थ प्रॉलम्स हो सकती हैं। साथ ही इससे शरीर को भोजन के जरूरी पोषक तत्व भी नहीं मिल पाते।

क्या करें?

1. इनसे बचने के लिए आपको चाय का सेवन छोड़ देना चाहिए। अगर ऐसा नहीं कर सकते तो कम से कम एक-डेढ़ घंटे बाद चाय पीएं। साथ भी भोजन के बाद थोड़ी-सी सौंफ व मिश्री मिलाकर खाएं।

2. इसकी बजाए आप ग्रीन या हर्बल टी पी सकते हैं, जो पेट से गैस को बाहर निकालने में मददगार होती है। साथ ही इनमें

एंटी-ऑक्सीडेंट्स और पोलीफॉनोल होता है, जिससे डाइजेशन सिस्टम सही रहता है।

चिलिए आपको बताते हैं भोजन के बाद चाय पीने के नुकसान दिल होगा कमजोर

आपकी यह आदत दिल को भी बीमार बना सकती है। शोष 1 के अनुसार, दोपहर व रात के भोजन के बाद चाय पीने से दिल संबंधित बीमारियां घेर सकती हैं। साथ ही इससे धड़कने भी अनियमित हो जाती है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा भी रहता है।

बढ़ता है ब्लड प्रेशर

अगर आप हाइपरटेंशन या हाई ब्लड प्रेशर के मरीज हैं तो भोजन के बाद बिल्कुल भी चाय ना पीएं। इसमें कैफीन होती है जो बीपी बढ़ा सकता है।

पाचन तंत्र की समस्याएं

चाय में एसिडिक गुण होते हैं जो शरीर में एसिड की मात्रा



बढ़ा देते हैं। ऐसे में भोजन के बाद इसका सेवन पाचन तंत्र या पेट से जुड़े रोग भी हो सकते हैं।

पोषक तत्वों की कमी

चूंकि इसके एसिडिक गुण डाइजेस्टिव सिस्टम के कार्य पर असर डालते हैं, जिससे वो खाना अच्छी तरह पचा नहीं पाता। इससे शरीर को जरूरी तत्व नहीं मिल पाते।

सिरदर्द की समस्या

इससे गैस और एसिडिटी की समस्या हो जाती है, जो सिरदर्द का कारण बन सकती है।

खन की कमी

भोजन के बाद चाय पीने से शरीर आयरन को अब्जॉर्ब नहीं कर पाता, जिससे खून में हीमोग्लोबिन की कमी होने लगती है। इससे एनीमिया की समस्या पैदा हो सकती है। वहीं, आपको पहले से ही एनीमिया तो ऐसा बिल्कुल ना करें।



सेहतमंद रहने के लिए पाचन तंत्र दुरुस्त होना बेहद जरूरी है। यह पोषक तत्वों को अवशोषित करने व शरीर में जमा गंदी बाहर निकालने के लिए भोजन तोड़ने में मदद करने वाला अंग होता है। पाचन क्रिया भोजन को पोषक तत्वों में बदलती है। इससे शरीर को ऊर्जा, कोशिकाओं की मुरम्मत आदि के लिए मदद मिलती है।

मगर अक्सर लोग पेट से जुड़ी समस्याओं से परेशान रहते हैं। पाचन तंत्र खाब रहने से अपच, एसिडिटी, सूजन, कब्ज, ऐंठन, पेट दर्द आदि कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही शारीरिक विकास में भी बाधा आती है। मगर आप अपनी डेली रुटीन में कुछ हैल्डी आदतों को अपनाकर पाचन तंत्र को मजबूत कर सकते हैं। चलिए जानते हैं इसके बारे में...

पाचन तंत्र हैल्डी रखने के लिए अपनाएं ये आदतें...

हैल्डी फूड

खाने में घुलनशील और अघुलनशील दोनों फाइबर से भरपूर चीजें शामिल करें। इसके लिए आप डेली डाइट में हरी सब्जियां, बीन्स, जौ, सूखे मेवे, विटामिन सी से भरपूर फल, सातुर अनाज आदि चीजें खाएं। घुलनशील फाइबर पाचन तंत्र को पानी सोखने में मदद करते हैं। वहीं अघुलनशील फाइबर पाचन को दुरुस्त रखने में मददगार साबित होते हैं। ऐसे में पेट संबंधी समस्याएं

होने से बचाव रहता है।

सही मात्रा में पीएं पानी

एक्सपर्ट्स के अनुसार, सही मात्रा में पीने से पाचन तंत्र मजबूत होता है। इस्तरह पेट स्वरथ रहने से बीमारियों की चेपेट में आने का खतरा कम रहता है। इसके लिए रोजाना 3-5 लीटर या जरूरत अनुसार पानी पीएं। आप डेली डाइट में पानी से भरपूर फल व सब्जियां भी शामिल कर सकती हैं।

प्रोबायोटिक्स का सेवन करें

दही एक प्रोबायोटिक्स फूड है। इसका सेवन करने से शरीर में गुड बैक्टीरिया बढ़ने में मदद मिलती है। इससे पेट में जलन, दर्द, अपच, भारीपन आदि समस्याओं से आराम रहता है। आप दही का छाछ, स्मूटी बनाकर भी सेवन कर सकती हैं।

रोजाना एक्सरसाइज करें

रोजाना 20-30 मिनट तक योगा व एक्सरसाइज करें। इससे

आपको हैल्डी रखेंगी ये आदतें, कभी नहीं होंगी पेट संबंधी समस्याएं

पाचन तंत्र मजबूत होने से खाना अच्छे से पचाने में मदद मिलती है। इसके साथ शरीर पर जमा एक्सट्रा चर्बी कम होकर सही वजन मिलता है। जोड़ों, कंधे, कमर आदि के दर्द से आराम मिलता है। साथ ही मानसिक तनाव कम होकर अंदर से खुशी व एनर्जी मिलती है।

तनाव मैनेज करें

भागदौड़ भरी जिंदगी के कारण आजकल हर उम्र के

जनपद में सरसों के तेल एवं दालों की निर्माण /थोक विक्रय प्रतिष्ठानों/फुटकर दुकानों के सत्र निरीक्षण का चलाया अभियान

अमिट रेखा — निखिल कुमारध स्वतंत्र
कसया — कुशीनगर

उत्तर के क्रम में उन्होंने बताया कि जनपद में कुल-15 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान अधोमानकृष्णांचाप होने के सदैह के आधार पर 03 दाल का नमूना संग्रहित



किया गया अभिहित अधिकारी द्वारा बताया गया कि लिये गये नमूने जाँच हेतु प्रयोगशाला भेज दिये गये हैं। जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त सम्बन्धित खाद्य कारोबारकर्ता के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जायेगी। जांच दौरान टीम में अन्जनी कुमार श्रीवास्तव, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी व मनोज कुमार श्रीवास्तव बृजेश कुमार सतीश कुमार अमिट कुमार राना खाद्य सुरक्षा अधिकारी सम्मिलित थे। उक्त अभियान अग्रिम आवेदों तक जारी रहेगा।

पत्रकार को फसाने व वर्दी को दागदार होने से बचाने का मामला'

अमिटरेखा — कृष्णा यादव तहसील प्रभारी
तमकुही राज — कुशीनगर

जनपद के 1 तमकुही राज पुलिस क्षेत्रिकारी क्षेत्र अंतर्गत शराब तस्करी के मामले में एक पत्रकार को जेल भेजने के बाद चारों तरफ यह चर्चा आम है कि इस पूरी कहानी के पीछे वर्दी वाले ही मुख्य सूत्रधार हैं। अपना गला फसाते देख पत्रकार को फसाने के बाद उसकी और दुश्मनी दोनों अच्छी नहीं होती है। इन्हीं नदी के किनारे शराब की बड़ी खेप पकड़ी गई थी जिसको लाइन हाजिर दारोगा अधिकारी शराब अपने पास रख लिया और उसी को बेचाने के पीछे यह सारा घटना क्रम हुआ लेकिन स्वाल उठता है कि बड़े पैमाने पर शराब को एक मासूमी दारोगा अकेले निर्णय लेकर कैसे रखवा सकता है। शराब की खेप रखवाने और उसको बेचाने के पीछे भी रसूखदार पद है जिसे बचाया जा रहा है और एसआई को लाइन हाजिर कर पूरा मामला दबाने का प्रयास किया जा रहा है। वैसे गलत कार्य करने वालों के पीछे पर ऊपर वाले कि लाठी जरूर पड़ती है। पत्रकार शम्पू सिंह वास्तव में निर्दोष है और उसे फसाना गया है तो उसकी बीती और बच्चों की हाय उन लोगों को जरूर लगेगी जिन लोगों ने उसे बताया है शराब तस्करी में तमकुही राज पुलिस चौकी क्षेत्र के गाजीपुर एक व्यक्ति का परोक्ष रूप से नाम आ रहा है जिसको पुलिस भारी दबाव में बचाने में लगी हुई है।

फिर उजागर हुआ तरया सुजान थाना क्षेत्र में छिनौती का मामला

अमिटरेखा — कृष्णा यादव तहसील प्रभारी
तमकुही राज — कुशीनगर

कुशीनगर जनपद के तरया-सुजान थाना क्षेत्र के सलेमगढ़ हफुआ चुरुर्भज मार्ग पर बीती रात दो मोटरसाइकिल पर सवार चार युवकों ने एक साइकिल सवार युवक को चाकू मारकर पैसा छिना, और घायल युवक को पुल में फेंक फरार हो गए। घायल युवक का इलाज प्राइवेट चिकित्सालय में चल रहा है।

पानी के दबाव से कट गई आधी पक्की सड़क'

अमिट रेखा — अजय तिवारी

नेबुआ नौरगिया — कुशीनगर

कुशीनगर नेबुआ नौरगिया सहित आसपास के क्षेत्रों में लगातार बारिश से सिधिरिया ड्रेन में उफान आ जाने से राहगीरों की समस्या बढ़ गई है। पानी के दबाव के चलते नेबुआ नौरगिया ब्लाक मुख्यालय को जोड़ने वाली आधी पक्की सड़क कट गई है। अनेकों राहगीरों और ग्रामीणों का कहना है कि यदि यह मार्ग कटा तो आवागमन बिल्कुल ही बंद हो जाएगा।

बारिश की वजह से नेबुआ नौरगिया के सिधिरिया ड्रेन में उफान आ गया है। पानी के दबाव की वजह से विशुनपुरा और परसीनी गांव के मध्य बना हुआ पुल के पश्चिम के तरफ की आधी पी सड़क कट गई है। जिससे आवागमन में परेशानी बढ़ गई है।

क्षेत्र के निवासी अभिषेक मल्ल, राकेश यादव, उमा प्रसाद, गणेश सिंह, उदयभान गुप्ता और सन्तोष गुप्ता आदि ने कहा कि परसीनी गांव से ब्लाक मुख्यालय तक जाने वाली यहीं एकमात्र पिच सड़क है। बारिश के पानी के दबाव की वजह से सप्तम तरफ से आने वाले लोगों को आगे की सड़क दिखाई नहीं देती है। ऐसे में दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है। रात में इधर से गुजरना खतरे से खाली नहीं है। यदि थोड़ी से भी असाधानी हुई तो लगभग दस फिट गहरे पानी में भी जाया जा सकता है। राहगीरों और ग्रामीणों ने अतिशीघ्र ही इसके मरम्मत कार्य कराने की मांग की है।

पिपरा तहसीलदार के दबंग पंचायत मित्र द्वारा किया जा रहा है अवैध नाली का निर्माण'

अमिट रेखा सुनील पांडेय

ब्लूरो महराजगज मंडल प्रभारी — फरेंदा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम सभा पिपरा तहसील दार में पंचायत मित्र द्वारा अपने व्यक्तिगत नाली का निर्माण ग्राम सभा के मुख्य मार्ग पर कराया जा रहा है। जिस रास्ते से हांकर गांव के लगभग 20 से 25 घरों के लोग आवागमन करते हैं। नाली निर्माण होने से मात्र 4 फुट चौड़े मार्ग में अवरोध उत्पन्न होगा और किसी भी समय यहाँ पर अनहोनी की भी आशंका जारी रही सकती है। आपको बता दें पूरा मामला पिपरा तहसील दार का है। जजंसी उमदजे तम

कोविड की नियमित होने वाली समीक्षा बैठक

'सीएमओ अपने स्तर से सभी जिम्मेदारों के साथ बैठक कर रणनीति के तहत कार्यों को शीघ्र कराएं पूर्ण -डीएम'



अमिट रेखा — निखिल कुमारध स्वतंत्र

कसया — कुशीनगर

कोविड-19 के प्रभावी उपचार

एवं रोकथाम हेतु नियमित होने वाली समीक्षा बैठक जिलाधिकारी एस राजलिंगम की अध्यक्षता में कलेक्टर स्थिति जिलाधिकारी कार्यालय कक्ष में संपन्न हुई उत्तर बैठक में संवर्पण कोविड मामलों के सम्बन्ध में समीक्षा की गई।

समीक्षा दौरान कुमार राना खाद्य सुरक्षा अधिकारी सम्मिलित थे। उक्त अभियान अग्रिम आवेदों तक जारी रहेगा।

पत्रकार को फसाने व वर्दी को दागदार होने से बचाने का मामला'

अमिटरेखा — कृष्णा यादव तहसील प्रभारी

तमकुही राज — कुशीनगर

जनपद के 1 तमकुही राज पुलिस क्षेत्रिकारी क्षेत्र अंतर्गत शराब तस्करी के मामले में एक पत्रकार को जेल भेजने के पीछे वर्दी वाले ही मुख्य सूत्रधार हैं। अपना गला फसाते देख पत्रकार को फसाने की बाद उसकी और दुश्मनी दोनों अच्छी नहीं होती है। इन्हीं नदी के किनारे शराब की बड़ी खेप पकड़ी गई थी जिसको लाइन हाजिर दारोगा अधिकारी शराब अपने पास रख लिया और उसी को बेचाने के पीछे यह सारा घटना क्रम हुआ लेकिन स्वाल उठता है कि बड़े पैमाने पर शराब को एक मासूमी दारोगा अकेले निर्णय लेकर कैसे रखवा सकता है। शराब की खेप रखवाने और उसको बेचाने के पीछे भी रसूखदार पद है जिसे बचाया जा रहा है और एसआई को लाइन हाजिर कर पूरा मामला दबाने का प्रयास किया जा रहा है। वैसे गलत कार्य करने वालों के पीछे पर ऊपर वाले कि लाठी जरूर पड़ती है। पत्रकार शम्पू सिंह वास्तव में निर्दोष है और उसे फसाना गया है तो उसकी बीती और बच्चों की हाय उन लोगों को जरूर लगेगी जिन लोगों ने उसे बताया है शराब तस्करी में तमकुही राज पुलिस चौकी क्षेत्र के गाजीपुर एक व्यक्ति का परोक्ष रूप से नाम आ रहा है जिसको पुलिस भारी दबाव में लगी हुई है।

कुशीनगर जिले में जिला अधिकारी कार्यालय पर

मीडिया संस्थानों पर छापेमारी को लेकर पत्रकारों ने प्रदर्शन कर, दिया ज्ञापन

अमिट रेखा — राजवन्त कुमारध विश्वकर्मा

क्राइम रिपोर्टर, कुशीनगर

दिन गुरुवार को केंद्र

जनपद में कोविड के मामले शून्य आ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर करोना जांच आर टीम द्वारा की जा रही जांच के सम्बन्ध में उपलब्ध रिपोर्ट पर जिलाधिकारी एस राजलिंगम की अध्यक्षता में कोविड करते हुए जांच के सम्बन्ध में असंतोष व्यक्त करते हुए उत्तर बैठक में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि अस्पताल में जो भी कमियां हैं उपरकरण आदि सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर लें, यदि बजट की कमी होती है तो तो तकाल अवगत कराएं। अधिकारियों ने एक विश्वकर्मी उपरकरण की विधियों को लेकर लाए और उत्तर बैठक की स्थिति जिले के सम्बन्धित अधिकारियों से अपराध पर अपराध करते हुए जांच की जिलाधिकारी विधियों को लाए और उत्तर बैठक की स्थिति जिले के सम्बन्धित अधिकारियों से अपराध पर अपराध करते हुए जांच की जिलाधिकारी विधियों को लाए और उत्तर बैठक की स्थिति जिले के सम्बन्धित अधिकारियों से अपराध पर अपराध करते हुए जांच की जिलाधिकारी विधियों को लाए और उत्तर बैठक की स्थिति जिले के सम्बन्धित अधिकारियों से अपराध पर अपराध करते हुए जांच की जिलाधिकारी विधियों को लाए और उत्तर बैठक की स्थिति जिले के सम्बन्धित अधिकारियों से अपराध पर अपराध करते हुए जांच की जिलाधिकारी विधिय